HINDI

क्षितिज – गद्य खण्ड		
पाठ – 1 (नेताजी का चश्मा)		
क)	किसी भी कार्य में उसके पीछे छिपी भावना ही अधिक महत्त्वपूर्ण होती है – 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर सिद्ध करें।	2
ख)	वर्तमान परिस्थिति में 'नेताजी का चश्मा' पाठ की सार्थकता सिद्ध करें।	2
ग)	बार–बार सोचते, क्या होगा उस काम का जो अपने देश की खातिर घर–गृहस्थी–जवानी–जिंदगी सब कुछ होम कर देने पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने का मौका ढूँढती है। इस कथन का आशय स्पष्ट करें।	2
घ)	वो लँगड़ा क्या जाएगा फौज में – पागल है पागल – कैप्टन के प्रति पानेवाले की इस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया लिखें।	2
ड़)	'नेताजी का चश्मा' शीर्षक की सार्थकता सिद्ध करते हुए बताएँ कि छोटी–छोटी बात का महत्त्व भी अधिक हो सकता है।	2
च)	नेताजी की मूर्ति पर चश्मे का न होना हमारी किस प्रवृति का परिचायक है ? मूर्ति पर रखा सरकंडे का चश्मा क्या उम्मीद जगाता है ?	2
छ)	सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे ?	2
ज)	'नेताजी का चश्मा' पाठ वर्तमान परिस्थिति में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और सार्थक संदेश देता है – सिद्ध कीजिए।	2
झ)	हालदार साहब के लिए कौन–सा कौतूहल दुर्दमनीय हो उठा, जिसे पानेवाले से पूछे बिना नहीं रह सके।	2
ञ)	चौराहे पर लगी मूर्ति के प्रति आपके एवं दूसरे लोगों के क्या उत्तरदायित्व होने चाहिए ?	2
पाठ – 2 (बालगोबिन भगत)		
क)	'मोह और प्रेम में अन्तर होता है। भगत के जीवन की किस घटना के आधार पर सिद्ध करेंगे ?	2
ख)	बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज के कारण क्यों थी ?	2
ग)	बालगेबिन भगत की कबीर पर श्रद्धा किन–किन रुपों में प्रकट हुई है ?	2
घ)	बोलगोबिन भगत पतोहू के पुनर्विवाह के रुप में समाज की किस समस्या का समाधान प्रस्तुत करना चाहते हैं ?	2
ड़)	बालगोबिन भगत पाठ सामाजिक रुढ़ियों पर किस प्रकार प्रहार करता है ?	2
च)	भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस प्रकार व्यक्त की ?	2
छ)	पाठ के आधार पर बताइए कि गाँव का सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश आषाढ़ चढ़ते ही उल्लास से क्यों भर जाता है ?	2
ज)	गृहस्थ होते हुए भी भगत को साधु क्यों कहा जाता था ?	2
झ)	''सन्यास का आधार वेशभूषा नहीं जीवन के मानवीय सरोकार होते हैं।'' इस कथन का आशय स्पष्ट करें।	
पाठ – 3 (लखनवी अंदाज)		
क)	नवाब साहब खीरा खाने के अपने ढंग के माध्यम से क्या दिखाना चाहते थे ?	2
ख)	'लखनवी अंदाज' पाठ के अनुसार बताइये कि लेखक ने यात्रा करने के लिए सकेंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा ?	2
ग)	लेखक को नवाब साहब के किन हाव–भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए उत्सुक नहीं है ?	2
घ)	लेखक ने नवाब के सामने की बर्थ पर बैठकर भी आखें क्यों चुराई ? पाठ के आधार पर लिखें।	2
ड़)	नवाब साहब का कैसा भाव–परिवर्तन लेखक को अच्छा नहीं लगा और क्यों ?	2
च)	'लखनवी अंदाज' पाठ का व्यंग्य किस सामाजिक वर्ग पर कटाक्ष करता है ?	2
छ)	'लखनवी अंदाज' पाठ के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालें ।	2
पाठ – 4 (मानवीय करुणा की दिव्य चमक)		
क)	फादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी ?	2
ख)	लेखक ने फादर बुल्के को 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' क्यों कहा है ?	2
ग)	फादर बुलके ने सन्यासी की परम्परागत छवि से अलग एक नयी छवि प्रसतुत की है, कैसे ?	2
घ)	फादर बुल्के को भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग किस आधार पर कहा गया है ?	2
ड़)	पाठ के आधार पर फादर बुल्के के हिंदी प्रेम को प्रकट कीजिए।	2
च)	'नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है'' – आशय स्पष्ट कीजिए।	2

छ) 'फादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा है– आशय स्पष्ट करें। 2
ज) लेखक ने फादर के लिए किन–किन विशेषणों का प्रयोग किया है और क्यों ? 2
झ) 'हर मौत दिखाती है जीवन को नई राह' – इस पंक्ति का आश्य स्पष्ट करें। 2
ञ) फादर कामिल बुल्के की साहित्य–साधना पर संक्षिप्त प्रकाश डालें। 2
ट) ''फादर को जहरबाद से नहीं मरना चाहिए था। लेखक ने ऐसा क्यों कहा है ? 2

पाठ – 5 (एक कहानी यह भी)

क) मन्नू भंडारी के लेखकीय व्यक्तित्व निर्माण में शीला अग्रवाल की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। 2
ख) लेखिका अपने ही घर में हीन भावना का शिकार क्यों हो गई ? 2
ग) मन्नू भंडारी की गिरती आर्थिक स्थिति का उनपर क्या प्रभाव पड़ा ? 2
घ) मन्नू भंडारी ने अपनी माँ के बारे में क्या कहा है ? 2
ड़) अंतिम दिनों में मन्नू भंडारी के पिता का स्वभाव शक्की हो गया था, लेखिका ने इसके क्या कारण दिए ? 2
च) मन्नू भंडारी के पिता की कौन–कौन सी विशेषताएँ अनुकरणीय हैं ? 2
छ) लेखिका के व्यक्तित्व पर किन–किन व्यक्तियों का किस रुप में प्रभाव पड़ा ? 2
ज) वह कौन–सी घटना थी जिसके बारे में सुनने पर लेखिका को न अपनी आँखों पर विश्वास हुआ और न अपने कानों पर । 2
झ) लेखिका की अपने पिता से वैचारिक टकराहट को अपने शब्दों में लिखिए। 2
ञ) माँ में इतनी विशेषताएँ होते हुए भी लेखिका मन्नू भण्डारी अपनी माँ को अपना आदर्श क्यों नहीं बना सकी ? 2
ट) महानगरीय फ्लैट कल्चर ने जीवन को कैसा बना दिया है ? 2
ठ) लेखिका के पिता ने रसोई को 'भाठियार खाना' कहकर क्यों संबोधित किया है ? 2
ड) पाठ के आधार पर कहा जा सकता है कि मन्नू भंडारी का जीवन मूल्य आधारित था जिससे उन्होने कभी समझौता नहीं किया आप उनमें कौन से जीवन मूल्य देखते हैं ? 2

पाठ – 6 (नौबतखाने में इबादत)

क) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगल–ध्वनि का नायक क्यों कहा गया है ? 2
ख) काशी में हो रहे किन परिवर्तनों से बिस्मिल्ला खाँ व्यथित रहते थे ? 2
ग) उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ काशी छोड़कर अन्यत्र क्यों नहीं जाना चाहते थे ? 2
घ) बिस्मिल्ला खाँ जीवन भर ईश्वर से क्या माँगते रहे और क्यों ? इससे उनकी किस विशेषता का पता चलता है ? 2
ड़) 'रियाज' से क्या तात्पर्य है ? रसूलनबाई और बतूलनबाई के यहाँ से होकर बालाजी मंदिर जाना बिस्मिल्ला खाँ को क्यों अच्छा लगता था ? 2
च) बिस्मिल्ला खाँ को खुदा के प्रति क्या विश्वास है ? 2
छ) काशी में अभी–भी क्या शेष बचा हुआ है ? 2
ज) बिस्मिल्ला खाँ को मिली–जुली संस्कृति का प्रतिक क्यों कहा गया है ? 2
झ) बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की कौन–कौन सी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया ? 2
ञ) बिस्मिल्ला खाँ कला के अनन्य उपासक थे। पाठ के आधार पर लिखें। 2
ट) कैसे कहा जा सकता है कि बिस्मिल्ला खाँ साहब सच्चे अर्थों में भारत रत्न थे ? 2
ठ) शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है ? 2
ड) मुहर्रम से बिस्मिल्ला खाँ के जुड़ाव को अपने शब्दों में लिखिए। 2
ढ) काशी को संस्कृति की पाठशाला क्यों कहा गया है ? 2
ण) सुषिर–वाद्यों से क्या अभिप्राय है ? शहनाई को 'सुषिर वाद्यों में शाह' की उपाधि क्यों दी गई होगी ? 2
त) 'फटा सुर न बख्शे। लुंगिया का क्या है, आज फटी है, तो कल सीजाएगी – आशय स्पष्ट करें। 2
थ) उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ काशी छोड़कर अन्यत्र क्यों नहीं जाना चाहते थे ? 2

क्षितिज – काव्य खण्ड

पाठ – 1 (सूरदास–पद)

क) उद्धव द्वारा दिए गए योग के संदेश ने गोपियों की विरहग्नि में घी का काम कैसे किया। 2
ख) गोपियों ने किन–किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं ? 2
ग) सूरदास के पदों के आधार पर गोपियों के वाक्चातुर्य की विशेषताएँ लिखिए। 2
घ) उद्धव के व्यवहार की तुलना किस–किस से की गई है और क्यों ? 2
ड़) 'मरजादा न लही' के माध्यम से कौन सी मर्यादा न रहने की बात की जा रही है ? 2
च) कृष्ण के प्रति गोपियों का अनन्य प्रेम किस प्रकार अभिव्यक्त हुआ है ? 2
छ) सूरदास के पदों के आधार पर गोपियों का योग–साधना के प्रति दृष्टिकोण स्पष्ट करें। 2
ज) गोपियों ने क्या कहकर उद्धव पर व्यंग्य किया है ? 2
झ) गोपियों ने अपनी तुलना गुड़ से लिपटी चीटियों से क्यों की है ? 2
ञ) कृष्ण को हारिल की लकड़ी' कहने से गोपियों का क्या आशय है ? 2

ट)	गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए ?	2
पाठ – 2 (राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद)		
क)	धनुष भंग करने वाली सभा में एकत्रित जन 'हाय–हाय' क्यों पुकारने लगे थे ? पाठ के आधार पर अपने विचार लिखें।	2
ख)	'साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है' पाठ के आलोक में अपने विचार लिखें।	2
ग)	परशुराम की स्वभावगत विशेषताएँ क्या हैं ? पाठ के आधार पर लिखें।	2
घ)	परशुराम के क्रोध का मूल कारण क्या था ? स्पष्ट कीजिए।	2
ड़)	'धनुष को तोड़ने वाला कोई तुम्हारा दास होगा' – के आधार पर राम के स्वभाव पर स्पष्ट कीजिए।	2
च)	लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या–क्या विशेषताएँ बताई ?	2
छ)	परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन–कौन से तर्क दिए।	2
ज)	लक्ष्मण ने 'कुम्हड़बतियाँ' का उदाहरण देकर अपने व्यक्तित्व की किस विशेषता की ओर संकेत किया गया है ?	2
झ)	'अयमय खाँड़ न ऊखमय' से क्या अभिप्राय है और यह कथन किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?	2
पाठ – 3 (उत्साह, अट नहीं रही है)		
क)	सामाजिक क्रान्ति में साहित्य की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उत्साह कविता के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए।	2
ख)	कवि बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने' के लिए क्यों कहता है ?	2
ग)	कविता का शीर्षक 'उत्साह' क्यों रखा गया है ? शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।	2
घ)	'उत्साह' कविता में बादल किन–किन अर्थों की और संकेत करता है ?	2
ड़)	'अट नहीं रही है' कविता ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किन–किन रुपों में किया है ?	2
च)	फागुन में ऐसा क्या होता है जो उसे अन्य ऋतुओं से भिन्न बनाता है ? कविता के आधार पर लिखें।	2
छ)	फागुन मास की मादकता का व्यक्ति पर क्या प्रभाव पड़ता है ?	2
ज)	कवि ने बादलों का आह्वान किसलिए किया है ? तथा सभी लोग विकले और उन्मन क्यों थे ?	2
पाठ – 4 (यह दंतुरित मुसकान, फसल)		
क)	'यह दंतुरित मुसकान' कविता में बाँस और बबूल किसके प्रतीक बताए गए हैं ?	2
ख)	बच्चे की मुसकान और एक बड़े व्यक्ति की मुसकान में क्या अंतर है ?	2
ग)	बच्चे की दंतुरित मुसकान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?	2
घ)	'फसल' कविता में फसल उपलाने के लिए किन–किन आवश्यक तत्वों के विषय में बताया गया है ?	2
ड़)	'पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण' का भाव स्पष्ट करें।	2
च)	कवि ने 'फसल' कविता के माध्यम से क्या संदेश दिया है ?	2
छ)	कवि ने बच्चे की मुसकान के सौन्दर्य को किन–किन बिम्बों के माध्यम से व्यक्त किया है ?	2
ज)	'यह दंतुरित मुसकान' को स्पष्ट करते हुए बताइए कि वह मरे में भी जान कैसे डाल देती है ?	2
झ)	फसल को 'हाथों के स्पर्श' की गरिमा' और 'महिमा' कहकर कवि क्या व्यक्त करन चाहता है ?	2
ञ)	कवि ने फसल को हजार–हजार खेतों की मिट्टी का गुण–धर्म कहा है। मिट्टी द्वारा अपना गुण–धर्म छोड़ने की स्थिति में क्या किसी प्रकार के जीवन की कल्पना की जा सकती है ?	2
पाठ – 5 (छाया मत छूना)		
क)	कवि ने 'छाया मत छुना'' कविता में कठिन यथार्थ पूजन की बात क्यों की है ? उसकी दृष्टि में यथार्थ का स्वरुप क्या है ?	2
ख)	'मृगतृष्णा' किसे कहते हैं ? कविता में इसका प्रयोग किस अर्थ में हुआ है ?	2
ग)	'छाया' से क्या तात्पर्य है ? कवि उसे छूने से मना क्यों करता है ?	2
घ)	'क्या हुआ जो खिला फूल रस–बसंत जाने पर ? का क्या भाव है ?	2
ड़)	'जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरण' – कथन में कवि की वेदना और चेतना कैसे व्यक्त हो रही है ?	2
च)	पाठ 'छाया मत छूना' के आधार पर बताएँ कि' मानव दुविधाग्रस्त किस स्थिति में और कब होता है ?	2
छ)	'हर चन्द्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है' – इस पंक्ति से कवि किस तथ्य से अवगत कराना चाहता है ?	2
ज)	'छाया मत छूना' कविता में व्यक्त दुख के कारणों को स्पष्ट कीजिए।	2
झ)	'छाया मत छूना' कविता का प्रतिपाद्य लिखते हुए कविता का संदेश स्पष्ट कीजिए।	2
पाठ – 6 (कन्यादान)		
क)	'लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना' – पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।	2
ख)	कन्या के साथ दान की बात करना उचित है या अनुचित ? अपने विचार तर्क सहित प्रस्तुत करें।	2
ग)	'कन्यादान' शीर्षक हमें सामाजिक बुराई से अवगत कराता है , कैसे ?	2
घ)	माँ को अपनी बेटी अंतिम पूँजी क्यों लग रही थी ?	2
ड़)	'आग रोटियाँ सेंकने के लिए है, जलने के लिए नहीं' – इन पंक्तियों में समाज में स्त्री की किस स्थिति का चित्रण है ? माँ ने इस स्थिति के प्रति बेटी को सचेत करना जरुरी क्यों समझा ?	2
च)	'कन्यादान' कविता में माँ ने अपनी बेटी को अपने चेहरे पर रीझने की सलाह क्यों दी है ?	2

छ) माँ का कौन–सा दुख प्रामाणिक था, कैसे ? 2
ज) 'कन्यादान' कविता में किसे दुख बाँचना नहीं आता था और क्यों ? 2
झ) 'कन्यादान' कविता की माँ परंपरागत माँ से कैसे भिन्न है ? 2
ञ) लड़की के विदाई के क्षण माँ के लिए ही विशेषतः अधिक दुखद क्यों होते हैं ? कविता के आलोक में उत्तर दीजिए। 2
ट) 'कन्यादान' कविता भारतीय स्त्री की पारंपरिक छवि के साथ उसके आधुनिक विचारों की झलक देती है। सिद्ध कीजिए। 2

पाठ – 7 (संगतकार)

क) 'संगतकार' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि संगतकार जैसे व्यक्ति सर्वगुण संपन्न होकर भी समाज में आगे न आकर प्रायः पीछे ही क्यों रहते हैं ? 2
ख) संगतकार की आवाज में एक हिचक सी क्यों प्रतीत होती है ? 2
ग) संगतकार जैसे व्यक्ति की जीवन में क्या उपयोगिता होती है ? 2
घ) 'संगतकार' कविता में 'राख जैसा' किसे कहा गया है और क्यों ? 2
ड़) 'तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला, प्रेरण साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ' का भाव स्पष्ट करें। 2
च) 'तारसप्तक' क्या है ? मुख्य गायक को ढाढ़स कौन बँधाता है और क्यों ? 2
छ) संगतकार की हिचकती, नीची आवाज़ को उसकी विफलता न कहकर मनु यता क्यों कहा गया है ? 2
ज) संगतकार कविता का संदेश स्पष्ट कीजिए। 2
झ) संगतकार के माध्यम से कवि ने समाज के किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है ? 2
ञ) मुख्य गायक की सफलता का श्रेय संगतकार को न दिया जाना समाज की किस प्रवृति का परिचायक है ? इस प्रवृति से क्या हानियाँ हैं ? 2

कृतिका

पाठ – 1 (माता का अँचल)

क) लेखक किस घटना से डरकर माँ के आँचल में आ दुबका और क्यों ? 4
ख) पाठ के आधार पर भोलानाथ और उसके पिता के संबधों का विश्लेषण करते हुए पिता–पुत्र सम्बन्धों के महत्त्व पर प्रकाश डालें। 4
ग) माँ के प्रति अधिक लगाव न होते हुए भी विपदा के समय भोलानाथ माँ के आँचल में ही शरण लेता है। इसका आप क्या कारण मानते हैं ? 4
घ) प्रस्तुत पाठ में तीस के दशक की ग्राम्य संस्कृति कर चित्रण है आज की ग्रामीण संस्कृति में आपको किस तरह के परिवर्तन दिखाई देते हैं ? 4
ड़) पाठ में वर्णित माता अपने पुत्र को किस भाव से खिलाती थीं और क्या कहकर खिलाती थीं ? 4
च) पाठ के आधार पर बताएँ कि बच्चों का चूहे की बिल में पानी डालना उनके किस मनोवृत्ति को प्रकट करता है ? क्या यह उचित है ? पशु–पक्षियों के संरक्षण के उपाय भी बताएँ। 4

पाठ – 2 (जॉर्ज पंचम की नाक)

क) नाक मान–सम्मन व प्रतिष्ठा का द्याोतक है। यह बात पूरी व्यंग्य रचना में किस तरह उभरकर आई है ? लिखिए। 4
ख) सरकारी तंत्र में जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर जो चिंता या बदहवासी दिखाई देती है वह उनकी किस मानसिकता को दर्शाती हैं ? 4
ग) आज की पत्रकारिता में चर्चित हिस्तयों के पहनावे और खान–पान संबंधी आदतों आदि के वर्णन का दौर चल पड़ा है। इस प्रकार की पत्रकारिता के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए बताइए कि इस तरह की पत्रकारिता आम जनता, विशेषकर युवा पीढ़ी पर क्या प्रभाव डालती है ? 4
घ) समाचार पत्रों की जन–जागरण में क्या भूमिका होती है ? जॉर्ज पंचम की नाक पाठ के आधार पर स्पष्ट करें। 4
ड़) 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ मौजूदा व्यवस्था पर करारी चोट है। तर्क सहित सिद्ध कीजिए। 4
च) पाठ में सरकारी कार्यप्रणाली की दशा अत्यंत शोचनीय दिखाई देती है। किन मूल्यों का विकास किए जाने पर ये स्थिति ठीक हो सकती है ? 4
छ) सरकारी तंत्र में जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर जो चिंता या बदहवासी दिखाई देती है वह उनकी किस मानसिकता को दर्शाती है ? 4
ज) रानी एलिजाबेथ के दर्जी की परेशानी का क्या कारण था ? उसकी परेशानी को आप किस तरह तर्क–संगत ठहराएँगे ? 4

पाठ – 3 (साना–साना हाथ जोड़ि)

क) 'आप चैन की नींद सो सके इसीलिए तो हम यहाँ पहरा दे रहे हैं' – एक फौजी के इस कथन पर जीवन–मूल्यों की दृष्टि से चर्चा कीजिए। 4
ख) देश की सीमा पर बैठे फौजी कई तरह की कठिनाइयों का मुकाबला करते हैं । सैनिकों के जीवन से किन–किन 4

जीवन–मूल्यों को अपनाया जा सकता है ?

ग) 'साना–साना हाथ जोड़ि' पाठ में प्रदूषण के कारण हिमपात में कमी पर चिंता व्यक्त की गई है। प्रदूषण के और कौन–कौन से दुष्परिणाम सामने आए हैं ? हमें इसकी रोकथाम के लिए क्या करना चाहिए ? 4

घ) सिक्किम यात्रा के दौरान आदिवासी युवतियों को देखकर लेखिका के मन में क्या विचार उत्पन्न हुए ? अपने शब्दों में लिखें। 4

ड़) 'कितना कम' लेकर ये समाज को कितना अधिक वापस लौटा देती हैं' इस कथन के आधार पर स्पष्ट करें कि देश की प्रगति में आम जनता की क्या भूमिका है ? 4

च) सिक्किम की प्रकृति, वहाँ की भौगोलिक स्थिति एवं जनजीवन के बारे में क्या महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ दीं ? 4

छ) लोंग स्टॉक में घूमते हुए लेखिका को क्या अनुभूति हुई ? इस पाठ में किन जीवन–मूल्यों का परिचय मिलता है ? 4

ज) आज की पीढ़ी द्वारा प्रकृति के साथ किस तरह का खिलवाड़ किया जा रहा है ? इसे रोकने के लिए आप क्या–क्या कर सकते हैं ? जीवन मूल्यों की दृष्टि से लिखिए। 4

ञ) पर्वतीय स्थलों पर बढ़ती व्यावसायिक गतिविधियों का इन स्थलों व प्रकृति का क्या प्रभाव पड़ रहा है ? इस प्रभाव को किस प्रकार रोका जा सकता है ? 4

व्याकरण

रचना के आधार पर वाक्य भेद

निर्देशानुसार उत्तर दीजिएः (परिवर्तन करें)

क) गाँधीजी ने नमक कर को साफ–साफ अन्याय की तरह देखा था। (मिश्र वाक्य में) 1

ख) भारत के सामने जो मुख्य समस्या है वह बढ़ती जनसंख्या है। (सरल वाक्य में) 1

ग) अनेक संस्थाएँ जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए कार्यरत हैं । (मिश्र वाक्य में) 1

घ) जो अपने भाई साहब से मिलने आए हैं उन्हें मैं जानती भी नहीं । (संयुक्त वाक्य में) 1

ड़) वह कब्रिस्तान की जमीन थी जिसके किनारे पर दो–चार घर बने थे। (सरल वाक्य में) 1

च) हम सभी बगीचे में घूमकर छात्रावास की ओर चल पड़े। (संयुक्त वाक्य में) 1

छ) शिलांग में कलाम ने उस सैनिक को धन्यवाद दिया जो उनकी रक्षा के लिए प्रतिबद्ध था। (वाक्य भेद बताइए) 1

ज) वह जाकर लौट भी गया, परंतु किसी को कानोंकान खबर नहीं हुई। (सरल वाक्य में) 1

झ) एक तुमने ही इस जादू पर विजय प्राप्त की है। (वाक्य भेद बताइए) 1

ञ) एक मोटरकार उनकी दुकान के सामने आकर रुकी। (संयुक्त वाक्य में) 1

ट) सभी विद्यार्थी कवि–सम्मेलन में समय से पहुँचे और शांति से बैठे रहे। (मिश्र वाक्य में) 1

ठ) उनको पूरा–पूरा विश्वास था कि ठाकुर साहब मेंबर बन जाएँगे। (अश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद भी लिखिए) 1

ड) रमेश भूख के कारण खिचड़ी ही खा रहा था ? (संयुक्त वाक्य में) 1

ढ) सफेद कमीज वाले छात्र को यह पुस्तक दे दो। (मिश्र वाक्य में) 1

ण) उन्हें लगता था कि नमक कर एक सामान्य–सा मुद्दा है । (सरल वाक्य में) 1

त) **निम्नलिखित मिश्र वाक्यों में आश्रित उपवाक्यों को रेखांकित कर उनका भेद लिखें ।** 4

1. वह व्यक्ति कहाँ है जिसने मुझे बुलाया है।
2. जो अध्यापक संस्कृत पढ़ाते हैं, मुझे अच्छे लगते हैं।
3. जहाँ–जहाँ धुआँ है, वहीं अग्नि है।
4. यदि परिश्रम करोगे तो अवश्य सफलता पाओगे।

वाच्य

क) फुरसत में मैना खूब रियाज करती है। (कर्मवाच्य में) 1

ख) फाख्ताओं द्वारा गीतों को सुर दिया जाता है। (कर्तृ वाच्य में) 1

ग) बच्चा साँस नहीं ले पा रहा था। (भाव वाच्य में) 1

घ) दो–तीन पक्षियों द्वारा अपनी–अपनी लय में एक साथ कूदा जा रहा था। (कर्तृ वाच्य में) 1

ड़) जुगल ने बच्चों को पढ़ाया है। (कर्मवाच्य में) 1

च) माँ से विदा होते समय राधा नहीं रोई। (भाव वाच्य में) 1

छ) जयेन्द्र द्वारा संध्या वंदन किया गया। (कर्तृ वाच्य में) 1

ज) उससे साफ–साफ नहीं लिखा जाता। (कर्तृ वाच्य में) 1

झ) रामप्राश कल से प्राचार्य का पद सँभालेंगे। (कर्मवाच्य में) 1

ञ) नरेश कल दो किलो अंगूर लाए थे। (कर्तृ वाच्य में) 1

ट) जयेन्द्र अपनी माता जी के देहांत पर भी नहीं रोए। (भाव वाच्य में) 1

ठ) जयशंकर कल कुछ बता रहे थे। (कर्मवाच्य में) 1

ड) जगदीश कल मेरे लिए आम लाए थे। (कर्मवाच्य में) 1

ढ) हरीश हँसाने पर भी नहीं हँसा। (भाव वाच्य में) 1

ण) रामू द्वारा मेरे घर डाक पहुँचाई गई थी। (कर्तृ वाच्य में) 1

त) तुम्हारे पिताजी ने मुझे अपनी पुस्तक दी थी। (कर्मवाच्य में) 1
थ) उनके सामने कौन बोल सकेगा। (भाव वाच्य में) 1
द) मेरे द्वारा समय की पाबंदी पर निबंध लिखा गया। (कर्तृ वाच्य में) 1
ध) मेरे मित्र से चला नहीं जाता। (कर्तृ वाच्य में) 1
न) भाई साहब ने मुझे पतंग दी। (कर्मवाच्य में) 1

पद परिचय

क) सुभाष ने प्राकृतिक खेती की जानकारी अपनी पुस्तकों में दी हैं। 1
ख) हिन्दुस्तान वह सब कुछ है जो आपने समझ रखा है लेकिन वह इससे बहुत ज्यादा है। 1
ग) मानव सभ्य तभी है जब वह युद्ध से शांति की ओर आगे बढ़े। 1
घ) अरे! आप आ गए ? 1
ड़) अर्जुन एक बुद्धिमान छात्र है।
च) बीमारी तो बड़ी चीज है, यहाँ जो रोजमर्रा के खर्चे चलाना भी मुश्किल है। 1
छ) जब जाड़ा आता, वे एक काली कमली ऊपर से ओढ़ते थे। 1
ज) मैंने सोचा थोड़ी जमीन खरीद ली जाए। 1
झ) मुझे शांति से काम करने दो। 1
ञ) आजकल संस्थाओं द्वारा जनहित के अनेक कार्य किए जा रहे हैं। 1
ट) काले बादलों की गरज सुनकर मैं तेज भागा। 1
ठ) मैं धीरे–धीरे चलता हूँ 1
ड) तुम सदा सत्य बोलो। 1
ढ) गाँधी जी ने सभी को समान रुप से प्रेम किया। 1
ण) वह भावुक व्यक्ति है। 1
त) द्वार पर कोई भिखारी खड़ा है। 1
थ) रमेश यहाँ रहता है। 1
द) अनेक भिखारी वहाँ बैठे थे। 1
ध) शाबाश! तुमने अच्छा किया 1
न) दुष्ट व्यक्ति को दूर ही रखो। 1
प) कब्रिस्तान की भूमि को लेकर छोटे–मोटे तनाव होते हैं। 1

रस

क) रस के अंगो के नाम लिखें। 1
ख) श्रृंगार रस के भेदों का नाम लिखें। 1
ग) मुख्य रुप से रसों की संख्या नौ है पर दसवाँ किसे माना गया है ? 1
घ) वीर रस का स्थायी भाव क्या है ? 1
ड़) करुण रस का एक उदाहरण लिखें। 1
च) पंक्तियों मे रस निष्पति के तत्वों को लिखें : 3

1. अक ओर अजगरहिं लखि एक ओर मृगराय
   विकल बटोही बीच ही, परयो मूरछा खाय।
2. अखिल भुवन चर–अचर सब, हरि मुख में लखि मातु।
   चकित भई गद्गद् वचन, विकसित दृग पुलकातु।।
3. एक मित्र बोले'' लाला तुम किस चक्की का खाते हो ?
   इतने महँगे राशन में भी, तुम तोंद बढाए जाते हो।''

छ) काव्य–पंक्तियों में निहित रस का उल्लेख करें: 3

1. 'तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान, मृतक में भी डाल देगी जान।
2. भरे भौन में करत हैं नैननु ही सों बात।
3. भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही, विपुल बार महिदेवन्ह दीन्हीं।

ज) वीर रस का उद्दीपन विभाव क्या है ? 1
झ) शोक किस रस का स्थायी भाव है ? 1
ञ) 'रसराज' किसे कहा जाता है ? 1
ट) 'निर्वेद' किस रस का स्थायी भाव है ? 1
ठ) घृणित वस्तुओं को देखकर अथवा उनके बारें में सुनकर मन में जो भाव उत्पन्न होता है, उससे किस रस की व्युत्पत्ति होती है ? 1
ड) वीर रस का एक उदाहरण लिखें।

निबंध लेखन। नोट – संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

क) भ्रष्टाचार से मुक्त होगा देश – बढ़ता भ्रष्टाचार, मुक्ति के उपाय, भ्रष्टाचार से मुक्त देश की कल्पना 10

ख)	प्रदूषण : समस्या और समाधान – प्रदूषण के प्रकार, कारण और प्रभाव, उपाय	10
ग)	वृक्षारोपण – वृक्षारोपण क्यों, अभाव में हानियाँ, हमारा कर्तव्य	10
घ)	प्रकृति का प्रकोप – प्रकृति का दानव स्वरुप, कारण समाधान	10
ड़)	राष्ट्रीय एकता – भारतीय एकता, बाधक तत्व, एकता का संरक्षण	10
च)	साँच बराबर तप नहीं – सत्य की महत्ता, सत्य उन्नति, समृद्धि का मार्ग, उपसंहार	10
छ)	मेरे जीवन की आकांक्षा – लक्ष्यहीन जीवन, आकांक्षा, प्रयत्नशीला, उपसंहार	10
ज)	विज्ञापन की दुनिया – विज्ञापन का युग, भ्रमजाल और जानकारी, सामाजिक दायित्व	10
झ)	आतंकवाद – बढ़ता आतंकवाद, भारत में आतंकवाद, विश्व स्तर पर आतंकवाद	10
ञ)	स्वच्छता की ओर बढ़ते कदम – स्वच्छता की आवश्यकता, स्वच्छता के प्रति जागरुकता , नियम, कानून	10
ट)	मीडिया की भूमिका – मीडिया का प्रभाव, सकारात्मक और नकारात्मक, अपेक्षाएँ	10
ठ)	इण्टरनेट का प्रभाव – भूमिका, इण्टरनेट सेवाएँ, इण्टरनेट संपर्क, भविष्य की दिशाएँ, उपसंहार	10
ड)	प्राकृतिक आपदाएँ – आपदा का अर्थ, प्रमुख प्राकृतिक आपदाएँ, कारण और निवारण, आपदा प्रबन्धन हेतु संस्थान तंत्र, उपसंहार	10
ढ)	विज्ञान और मानव – प्रकृति पर विजय, मनुष्य के लिए वरदान, उपलब्धियाँ, समस्याएँ, मनुष्य की जिम्मेदारी	10
ण)	बढ़ती आबादी – विकट समस्या – विकराल समस्या, कारण, दुष्परिणाम, अनेक समास्याओं का जन्म, रोक लगाना अनिवार्य	10

पत्र–लेखन

क)	अपने विधालय में हुए संगीत समारोह पर टिपण्णी करते हुए माँ को पत्र लिखें।	5
ख)	विद्यालयों में योग–शिक्षा का महत्त्व बताते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखें।	5
ग)	अपनी योग्यता का विवरण देते हुए प्राथमिक शिक्षक पद के लिए अपने जिले के शिक्षा अधिकारी को आवेदन पत्र लिखिए।	5
घ)	अपनी गलत आदतों का पश्चाताप करते हुए अपनी माता जी को आश्वासन पत्र लिखें।	5
ड़)	अपने प्रिय मित्र को पत्र लिखकर धन्यवाद दीजिए कि आड़े वक्त में उसने किस तरह आपका साथ दिया था।	5
च)	आपकी कॉलोनी में किसी सामाजिक संस्था द्वारा खोले गए पुस्तकालय की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।	5
छ)	अपने क्षेत्र के विधायक को पत्र लिखकर क्षेत्र के एकमात्र सरकारी अस्पताल की अव्यवस्था की जानकारी दीजिए और उसमें सुधार के लिए अनुरोध कीजिए।	5
ज)	आपके शहर में सभी प्रकार के खाद्य पदार्थों में मिलावट का धंधा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। अपने राज्य के खाद्य–मंत्री को पत्र लिखिए इस समस्या के प्रति उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।	5
झ)	सभी औपचारिकताएँ पूर्ण कराने के उपरान्त भी 'आधार पहचान पत्र' न मिलने की शिकायत करते हए अपने क्षेत्र से संबध अधिकारी को पत्र लिखिए।	5
ञ)	आपसे अपने बचत खाते की चेक बुक खो गई है। इस सम्बन्ध में तत्काल उचित कार्यवाही करने के लिए निवेदन करते हुए बैंक प्रबंधन को पत्र लिखिए।	5
ट)	अपने नगर के शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखकर विद्यालय में दोपहर के समय वितरित किए जाने वाले भोजन के गिरते स्तर की ओर उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।	5
ठ)	अपने क्षेत्र में एक पार्क विकसित करने के लिए नगर–निगम अधिकरी को पत्र लिखिए।	5
ड)	अपने क्षेत्र में जल–भराव समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।	5
ढ)	दूरदर्शन के महानिदेशक को पत्र लिखकर राष्ट्रीय एकता तथा साम्प्रदायिक सदभाव बढ़ाने वाले कार्यक्रम प्रसारित करने का आग्रह कीजिए।	5

विज्ञापन–लेखन

क)	हिन्दी की पुस्तकों की प्रदर्शनी में आधे मूल्य पर बिक रही महत्वपूर्ण पुस्तकों को खरीदकर लाभ उठाने के लिए 25–50 शब्दों में विज्ञापन लिखिए।	5
ख)	अपने पुराने मकान के बेचने सम्बन्धी विज्ञापन का आलेख लगभग 25–50 शब्दों में तैयार करें।	5
ग)	विद्यालय के वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला की वस्तुओं की प्रदर्शनी के प्रचार हेतु लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार करें।	5
घ)	विद्यालय में बनी मोमबत्तियों की बिक्री के लिए एक विज्ञापन लगभग 25–50 शब्दों में तैयार करें।	5
ड़)	कम्पनी द्वारा निर्मित जल की विशेषताएँ बताते हुए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 25–50 शब्दों में लिखिए।	5
च)	'पृथ्वी दिवस' पर बेहतर भविष्य बनाने हेतु 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।	5
छ)	किसी राज्य के पर्यटन विभाग की ओर से राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 25–50 शब्दों का एक विज्ञापन तैयार करें।	5
ज)	संगीत प्रशिक्षण संस्थान के लिए लगभग 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार करें।	5
झ)	विद्यालय में अध्यापक की आवश्यकता है। इसके लिए 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।	5
ञ)	कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ होने के सम्बन्ध में 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।	5

ट) दुकान पर काम करने वाले लड़कों की आवयश्कता हेतु विज्ञापन प्रारुप तैयार करें। 5

अपठित गद्यांश

1. आत्मविश्वास की सबसे बड़ी दुश्मन है – दुविधा एकाग्रता को नष्ट कर देती है। आदमी की शक्ति को बाँट देती है। बसवह आधा इधर और आधा उधर, इस तरह खंडित हो जाता है। मेरे एक मित्र अपनी पत्नी के साथ जंगल में एक पेड़ के नीचे बैठे बात कर रहे थे, बात करते–करते पत्नी सो गई, वह उपन्यास पढ़ने लगे। अचानक उन्हें लगा कि सामने से भेड़िया चला आ रहा है – उन्हीं की तरफ। भेड़िया, एक खूँखार जानवर, वह इतने घबरा गए कि पत्नी को सोता छोड़कर ही भाग खड़े हुए।

भाग्य से, कुछ दूर ही उन्हें एक बंदूकधारी सज्जन मिल गए। वह उनके पैरों पर गिर पड़े। 'मेरी पत्नी को बचाइए, भेड़िया उसे खा रहा है'' वह गिड़गिड़ाए।

शिकारी दोड़ा–दोड़ा उनके साथ पेड़ के पास आया, तो उसकी पत्नी यथापूर्व सो सही थी और 'भेड़िया' उसके पास रखी टोकरी में मुँह डाले पूरियाँ खा रहा था। ''कहाँ है भेड़िया ?'' शिकारी ने बंदुक साधते हुए पूछा, तो काँपते हुए बोले – ''वह है तो सामने।'' शिकारी बहुत जोर से हँस पड़ा – ''भले मानस, वह बेचारा कुत्ता है।'' क्या बात हुई यह ? वही कि भय ने उसे विश्वासहीन कर दिया।

सूत्र के अनुसार –हतोत्साहियों, निराशावादियों, डरपोकों, और सदा असफलता का ही मर्सिया पढ़ने वालों के संर्पक से दूर रहो। नीति का वचन है कि जहाँ अपनी, अपने कुल की और अपने देश की निंदा हो और उसका मुँहतोड़ उत्तर देना संभव न हो, तो वहाँ से उठ जाना चाहिए, क्यों ? क्योंकि इसमें आत्मगौरव और आत्मविश्वास की भावना खंडित होने का भय रहता है।

क) आत्मविश्वास की सबसे बड़ी दुश्मन कौन है और वह क्या नष्ट कर देती है ? 1

ख) आत्मगौरव और आत्मविश्वास की भावना कहाँ खण्डित होने का भय रहता है ? 1

ग) मित्र कुत्ते को भेड़िया क्यों समझ बैठे ? 1

घ) नीति का वचन क्या है ? 1

ड़) गद्यांश में से तत्पुरुष समास के कोई दो उदाहरण दीजिए। 1

2. चरित्र का मूल भी भावों के विशेष प्रकार के संगठन में ही समझना चाहिए। लोकरक्षा और लोकरंजन की सारी व्यवस्था का ढाँचा इन्हीं पर ठहराया गया है। धर्म–शासन, राज–शासन, मत–शासन – सबमें उनसे पूरा काम लिया गया है। इनका सदुपयोग भी हुआ है और दुरुपयोग भी। जिस प्राकर लोककल्याण के व्यापक उद्देश्य की सिद्धि के लिए मनुष्य के मनोविकार काम में लाए गए हैं, उसी प्रकार सम्प्रदाय या संख्या के संकुचित और परिमित विधान की सफलता के लिए भी।

सब प्रकार के शासन में – चाहे धर्म शासन हो, चाहे राज–शासन हो, मनुष्य –जाति से भय और लोभ से पूरा काम लिया गया हैं। दण्ड का भय और अनुग्रह का लोभ दिखाते हुए राज–शासन तथा नरक का भय और स्वर्ग का लोभ दिखाते हुए धर्म–शासन और मत–शासक चलते आ रहे हैं। इसके द्वारा भय और लाभ का प्रवर्तन सीमा के बाहर भी प्रायः हुआ है और होता रहता है।

जिस प्रकार शासक वर्ग अपनी रक्षा और स्वार्थ सिद्धि के लिए भी इनसे काम लेते आए हैं, उसी प्रकार धर्म–प्रर्वतक और आचार्य अपने स्वरुप वैचित्र की रक्षा और अपने प्रभाव की प्रतिष्ठा के लिए भी। शासक वर्ग अपने अन्याय और अत्याचार के विरोध की शान्ति के लिए भी डरते और ललचाते आए हैं। मत–प्रवर्तक भी अपने द्वेष और संकुचित विचारों के प्रचार के लिए कँपाते और डराते आए हैं। एक जाति को मूर्ति–पूजा करते देख दूसरी जाति के मत–प्रवर्तकों ने उसे पापों में गिना है। एक सम्प्रदाय को भस्म और रुद्राक्ष धारण करते देख दूसरे सम्प्रदाय के प्रचारकों ने उनके दर्शन तक को पाप माना है।

क) लोकरंजन की व्यवस्था का ढाँचा किस पर आधारित है तथा इसका उपयोग कहाँ किया गया है ? 1

ख) दण्ड का भय और अनुग्रह का लोभ किसने और क्यों दिखाया है ? 1

ग) धर्म–प्रवर्तकों ने स्वर्ग–नरक का भय और लोभ क्यों दिखाया है ? 1

घ) शासन व्यवस्था किन कारणों से भय और लालच का सहारा लेती है ? 1

ड़) 'प्रतिष्ठा' और 'लोभ' शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए। 1

3. नारी केवल कामिनी नहीं, जगद्धात्री भी है, अलंकरण मात्र ही नहीं, समाज को जीवंत बनाने वाली प्रेरणाशक्ति भी है। आज जनमानस इस दृष्टिकोण से वंचित है। नारी इतनी शक्तिहीन नहीं है। माता बनकर उसकी शक्ति परोक्षरुप में अपने बालकों के चरित्र निर्माण में कार्य करती है। प्रिया रुप में वह समस्त दया करुणा, ममता, और माधुर्य का उपहार देकर पुरुष को उसके कार्यक्षेत्र के लिए नई ऊर्जा प्रदान करती है। विद्या–बुद्धि में गार्गी तथा अपाला बनकर और शौर्य में लक्ष्मीबाई एवं चाँदबीबी बनकर उसने अपने तेजस्वी रुप का परिचय समय–समय पर दिया है। स्वदेश में ही नहीं, विदेश में भी ऐसे उदाहरण भरे पड़े हैं। जोन ऑफ आर्क ने एक साथ आत्मिक बल और शारीरिक बल के समन्वय से ऐसी ज्योति जलाई जो युगों–युगों तक उनका नाम अमर रखेगी। इतिहास के पन्ने इस बात के साक्षी हैं कि नारी ने केवल चौका–चूल्हा ही नहीं सम्हाला, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर घोड़े की पीठ पर चढ़कर रणक्षेत्र में भी वीरता का परिचय दिया। अपनी मर्यादा की रक्षा के लिए

आततायी को धूल चटा दी।

क) माता के रुप में नारी का क्या महत्त्वपूर्ण कार्य है ? 1

ख) नारी किस रुप में पुरुष को नई ऊर्जा प्रदान करती है ? 1

ग) विद्या–बुद्धि में किन नारियों ने तेजस्वी रुप दिखाया है ? 1

घ) नारियों ने आततायी को धूल क्यों चटाई ? 1

ड़) इतिहास के पन्ने किस बात के साक्षी हैं ? 1

4. प्रत्येक राष्ट्र के जीवन निर्वाह के लिए यह आवश्यक है के देश की प्राकृतिक सम्पत्ति रक्षा की जाए तथा उस सम्पत्ति की अभिवृद्धि के पूरे–पूरे प्रयत्न किये जाएँ। देश की कृषि, देश की खानों की पैदावर तथा देश की दस्तकारी की रक्षा किए बिना, उनकी उन्नति किए बिना तथा देश के धन के बाहर जाने से रोके बिना किसी भी देश के बच्चों का पालन करना अथवा उन्हें दरिद्रता तथा दुष्काल के भयानक परिणामों से बचाना सर्वथा दुष्कर है। साथ ही हमें यह भी स्मरण रखना चाहिए कि राष्ट्रीय जीवन तथा राष्ट्रीय उन्नति के लिए देश की प्राकृतिक सम्पत्ति को बढ़ाने की अपेक्षा देश की मानसिक व नैतिक सम्पत्ति को बढ़ाना अधिक आवश्यक है। जो राष्ट्र अपनी नैतिक सम्पत्ति की उचित रक्षा करता है तथा उसकी उन्नति के पूरे–पूरे प्रयत्न करता है, केवल वही राष्ट्र सम्मान, उत्साह तथा स्वतंत्रता के साथ इस संसार में जीवित रह सकता है। राष्ट्र के बालक–बालिकाएँ राष्ट्र की नैतिक सम्पत्ति हैं जो प्राकृतिक सम्पत्ति से अधिक मूल्यवान और महत्त्व की हैं जो राष्ट्र इस धन की उचित रक्षा तथा उन्नति नहीं करता, वहाँ राष्ट्र की उन्नति के पथ से हटकर अवनति के गड्ढे की ओर फिसलने लगता है। उपर्युक्त सम्पत्तियों की रक्षा और वृद्धि तभी ठीक–ठीक हो सकती है जब हम अपने कर्तव्यों तथा अधिकारों को समझें अपने कर्त्तव्यों को पूरा करने और अधिकारों को प्राप्त करने के लिए कटिबद्ध हों। वास्तव में किसी देश की प्राकृतिक सम्पति की रक्षा तथा वृद्धि भी उस देश की नैतिक संपत्ति की रक्षा और वृद्धि पर ही निर्भर है।

क) प्रत्येक राष्ट्र के जीवन निर्वाह के लिए क्या आवश्यक है ? 1

ख) देश की उन्नति के लिए क्या आवश्यक है ? 1

ग) किसी देश की प्राकृतिक सम्पत्ति की रक्षा तथा वृद्धि किस पर निर्भर है ? 1

घ) राष्ट्र की मानसिक व नैतिक सम्पत्ति किन्हें माना गया है ? 1

ड़) संपत्तियों की रक्षा और वृद्धि कब ठीक तरह से हो सकती है ? 1

काव्यांश

1. तेरे–मेरे बीच कहीं है एक घृणामय भाईचारा।
संबंधों के महासागर में तू भी हारा मै भी हारा।।
　　बँटवारे ने भीतर–भीतर
　　ऐसी–ऐसी डाह जगाई।
　　जैसे सरसों के खेतों में
　　सत्यानाशी उग–उग आई।
तेरे–मेरे बीच कहीं है टूटा–अनूटा पतियारा।
संबंधों के महासागर में तू भी हारा मैं भी हारा।।
　　अपशब्दों की बंदनवारे
　　अपने घर हम कैसे जाएँ।
　　जैसे साँपों के जंगल में
　　पंछी कैसे नीड़ बनाएँ।
तेरे–मेरे बीच कहीं है भूला–अनभूला गलियारा
संबंधों के महासागर में तू भी हारा मैं भी हारा।।
　　बचपन की स्नेहिल तसवीरें
　　देखे तो आँखें दुखती हैं।
　　जैसे अधमुरझी कोंपल से
　　टलती रात ओस झरती है।
तेरे–मेरे बीच कहीं है एक घृणामय भाईचारा।
संबंधों के महासागर में तू भी हारा मैं भी हारा।।

क) कविता से किस बँटवारे की बात हो सकती है ? 1

ख) 'तेरे–मेरे बीच कही है एक घृणामय भाईचारा' का क्या भाव है ? 1

ग) 'सरसों के खेतों में सत्यानाशी' किसे कहा गया है ? 1

घ) 'अपशब्दों की बंदनवारे' कैसे प्रभावित करती हैं ? 1

ड़) बचपन की तसवीरें क्या आशा जगाती हैं ? 1

2. जन्म दिया माता–सा जिसने किया सदा लालन–पालन,

जिसके मिट्टी–जल से ही है रचा गया हम सबका तन।
गिरिवर नित रक्षा करते हैं, उच्च उठा के श्रृंग महान,
जिसके लता–द्रुमादिक करते हमको अपनी छाया दान।
माता केवल बाल–काल में निज अंक में धरती है,
हम अशक्त जब तलक तभी तक पालन पोषण करती है।
मातृभूमि करती है सबका लालन सदा मृत्यु पर्यन्त,
जिसके दया–प्रवाहों का होता न कभी सपने में अंत।
मर जाने पर कण देहों के इसमें ही मिल जाते हैं,
हिंदु जलते, यवन ईसाई शरण इसी में पाते हैं।
ऐसी मातृभूमि मेरी है स्वर्गलोक से भी प्यारी,
उसके चरण–कमल पर तेरा तन–मन–धन सब बलिहारी

क) 'जन्म दिया माता सा जिसने' – यहाँ जिसने से तात्पर्य है ? 1
ख) गिरिवर हमारी रक्षा किस प्रकार करते हैं ? 1
ग) मातृभूमि माँ से भी बढ़कर क्यों है ? 1
घ) कवि की मातृभूमि पर क्या न्योछावर करने की इच्छा है ? 1
ड़) 'चरण–कमल' का उपयुक्त क्या अर्थ है ? 1

3. इन नए बसते इलाकों में
जहाँ रोज बन रहे हैं नए–नए मकान
मै अकसर रास्ता भूल जाता हूँ
धोखा दे जाते हैं पुराने निशान
खोजता हूँ ताकता पीपल का पेड़
खोजता हूँ ढहा हुआ घर
और जमीन का खाली ढुकड़ा जहाँ से बाएँ
मुडना था मुझे
फिर दो मकान बाद बिना रंग वाले लोहे के फाटक का
घर था इकमंजिला
और मैं हर एक घर पीछे
चल देता हूँ
या दो घर आगे ठकमकाता।
यहाँ रोज कुछ बन रहा है
रोज कुछ घट रहा है
यहाँ स्मृति का भरोसा नहीं
एक ही दिन में पुरानी पड़ जाती है दुनिया
जैसे वसंत का गया पतझड़ को लौटा हूँ।
जैसे वैसाख का गया भादों को लौटा हूँ
अब यही है उपाय कि हर दरवाजा खटखटाओ
और पूछो–
क्या यही वो घर ?
समय बहुत कम है तुम्हारे पास
आ चलना पानी टहा आ रहा अकास
शायद पुकार ले कोई पहचाना ऊपर से देखकर

क) कवि रास्ता क्यों भूल गया है ? 1
ख) कवि अपने गंतव्य को कैसे खोज रहा है ? 1
ग) उसकी समस्या का कारण क्या है ? 1
घ) 'वसंत का गया पतझड़ को लौटा हूँ' – कवि लगभग कितने मास बाद लौटा ? 1
ड़) जब गंतव्य नहीं मिला तो उसे कौन–सी आशा की किरण दिखाई दी ?

4. जब बचपन तुम्हारी गोद में
आने से कतराने लगे,
जब माँ की कोख से झाँकती जिंदगी
बाहर आने से घबरोने लगे,
समझो कुछ गलत है।

जब तलवारें फूलों पर,
जोर आजमाने लगें,
जब मासूम आँखों में
खौफ ऩजर आने लगे
समझो कुछ गलत है।
जब किलकारियाँ सहम जाएँ
जब तोतली बोलियाँ, खामोश हो जाएँ, समझो.......
कुछ नहीं, बहुत कुछ गलत है
क्योंकि जोर से बारिश होनी चाहिए थी,
पूरी दूनिया में, हर जगह, टपकने चाहिए थे आँसू,
रोना चाहिए था ऊपर वाले को, आसमाँ से फूट फूट कर
शर्म से झुकनी चाहिए थीं, इंसानी सभ्यता की गर्दनें
शोक का नहीं, सोच का वक्त है
मातम का नहीं, सवालों का वक्त है
अगर इसके बाद भी सर उठा कर
खड़ा हो सकता है इंसान
समझो कि बहुत कुछ गलत है।

क) माँ की कोख से झाँकती जिंदगी को घबराहट क्यों हो सकती है ? 1
ख) जब तलवारें फूलों पर जोर आजमाने लगें, जब मासूम आँखों में खौफ नजर आने लगे का क्या तात्पर्य है ? 1
ग) कवि के अनुसार बुहत गलत कब है ? 1
घ) कुछ भी गलत कब नहीं है ? 1
ड़) कवि के अनुसार अब किसका वक्त है ? 1